| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| | **परिचालित ड्रॉप्ट योजना** | | |
| 1. | नंदगंज सिहोरी शुगर कं० लि० | 6.2.96 | 30.6.97 |
| | **धारा 20(1) के तहत बन्द करने की सिफारिश** | | |
| 1. | चम्पारन शुगर | 12.8.87 | 28.6.93 |
| 2. | जिवाजी राव शुगर | 8.3.88 | 18.1.91 |
| 3. | सलारजंग शुगर | 5.4.88 | 17.10.96 |
| 4. | गंगावती शुगर | 30.8.88 | 29.9.95 |
| 5. | स्वदेशी ग्लाइनिंग तथा मेनि० कं० लि० | 2.1.95 | 1.7.96 |
| 6. | घाटमपुर शुगर कं० लि० | 9.6.95 | 25.8.98 |
| | **निरीक्षण के अधीन** | | |
| 1. | त्रावणकोर शुगर्स तथा केमिकल्स लि० | 20.6.95 | 30.6.95 |
| 2. | उत्तर प्रदेश राज्य शुगर कोर्पो. लि. | 20.6.95 | — |
| 3. | एच.एम.पी. शुगर्स लि. | 11.10.96 | — |
| 4. | छाता शुगर क. लि. | 16.7.97 | — |
| 5. | बी.एस.आई. लि. | 17.6.98 | — |
| 6. | गिरधारीलाल शुगर तथा एलाइड इंडस्ट्रीज | 31.8.98 | — |
| 7. | खलीलाबाद शुगर मिल्स प्रा० लि० | 13.1.99 | — |
| 8. | विक्रम प्रोजेक्टस लि० | 21.1.99 | — |
| | **अब रुग्ण नहीं घोषित** | | |
| 1. | चल्लापली शुगर | 19.6.87 | 17.1.96 |
| 2. | देवनगेरे शुगर क० | 24.8.87 | 14.2.96 |
| 3. | गोदावरी शुगर मिल्स | 25.9.87 | 29.11.94 |
| 4. | किरियमपुड शुगर मिल्स | 2.11.87 | 31.3.92 |
| 5. | भगवानपुर शुगर मिल्स | 24.2.88 | 27.3.97 |
| 6. | रामनुगर केन (खेतान एग्रो कॉम्पलेक्स) | 30.5.88 | 13.9.96 |

## WRITTEN ANSWERS TO UNSTARRED QUESTIONS

### Gold Plating by Urea Firms

466. SHRI JIBON ROY:
SHRI NILOTPAL BASU:

Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item captioned "Panel will look into Gold plating by urea firms", which appeared in "The Times of India" of 6th January, 1999;

(b) if so, the present status of recovery of subsidy, with retrospective effect, from the fertilizer companies involved in underrating of name plate capacities;

(c) the amount to be recovered as per assessment by the technical committee appointed by F.I.C.C. from three of these companies; and

(d) the action taken by Government so far?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (DR A.K. PATEL): (a) to (d) Government has seen the newsitem that appreaed in the Times of India on 6th January 1999. FICC considered the matter relating to reassessment of capacity of urea manufacturing units at its meetings held on 12.1.99 and 21.1.99. Government is seized of the various issues involved as well as the need to take a balanced and holistic view in this regard.

**उर्वरकों की मांग की आपूर्ति**

467. **लाला लाजपत राय:** क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में उर्वरक औसत मांग और आपूर्ति में वास्तविक रूप से कितना अन्तर है;

(ख) क्या देश में उत्पादित उर्वरक से इसकी कुल मांग पूरी की जा सकती है;

(ग) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान प्रतिवर्ष मांग और आपूर्ति का ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो सरकार ने किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाये हैं?

**रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० ए०के० पटेल):** (क) से (ग) गत तीन वर्षों के दौरान पोषकों के रूप में उपभोग हेतु मांग और उत्पादन के बीच का अन्तर इस प्रकार रहा है:—

(आंकड़े लाख टनों में)

| वर्ष | | नाइट्रोजन (एन०) | फास्फेट (पी) | पोटाश (के) |
|---|---|---|---|---|
| 1996-97 | खपत | 103.01 | 29.77 | 10.30 |
| | उत्पादन | 85.99 | 25.56 | — |
| 1997-98 | खपत | 109.00 | 39.15 | 13.73 |
| | उत्पादन | 100.86 | 29.76 | — |
| 1998-1999 | खपत | 114.66 | 40.01 | 13.05 |
| (अनुमानित) | उत्पादन | 104.52 | 30.03 | — |

मांग तथा स्वदेशी उत्पादन के बीच के अन्तर को आयातों द्वारा पूरा किया जाता है। चूंकि देश में पोटाश के वाणिज्यिक रूप से दोहन योग्य कोई ज्ञात स्रोत नहीं है, पोटाश की सम्पूर्ण मांग को आयातों द्वारा पूरा किया जाता है। इसके अलावा, यूरिया तथा डीएपी के आयात किये जाते हैं। यूरिया के आयात सरकारी खाते में किये जाते हैं जबकि डीएपी और एमओपी (जो नियंत्रणमुक्त उर्वरक है) के आयात निजी व्यवसाय खाते में किये जाते हैं।

(घ) सरकार बढ़े हुये स्वदेशी उत्पादन तथा आयातों के माध्यम से उर्वरकों की उपलब्धता में वृद्धि करने हेतु विभिन्न उपाय कर रही है। संयंत्र क्षमताओं की स्थापना करने के लिये प्रोत्साहनों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित सम्मिलित हैं:—

(i) नये संयंत्रों की स्थापना करने/मौजूदा एककों के आधुनिकीकरण के लिए पूंजीगत मालों का निशुल्क आयात

(ii) उर्वरक परियोजनाओं को पूंजीगत मामलों के स्वदेशी आपूर्तिकर्ताओं को संभावित निर्यात लाभ बशर्ते ऐसी आपूर्तियां अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली पद्धति के तहत की जाये।

(iii) उर्वरक कच्चे मालों तथा मध्यवर्तियों का निशुल्क आयात

(iv) वर्तमान में यूरिया पर लागू प्रतिधारण मूल्य-सह-राजसहायता स्कीम के तहत उद्यमियों को निवेश पर मुनासिब लाभ